गर्भावस्था और प्रसव के दौरान देखभाल: आशा की भूमिका

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

गर्भवती महिलाओं की पहचान करना, उनकी निगरानी करना, सुनिश्चित करना की मातृत्व स्वास्थ्य कार्ड और अन्य रिकॉर्ड वर्तमान समय तक पूरी तरह से भरे हो ।

गर्भावस्था की पुष्टि करने में उनकी मदद करना और प्रसव की तारीख का निर्धारण करना।

उन्हें गर्भावस्था के दौरान देखभाल के बारे में जानकारी देना, विशेष रूप से पोषक आहार, आराम का महत्व और सम्पूर्ण प्रसव-पूर्व देखभाल की आवश्यकता के बारे में।

यह सुनिश्चित करना कि गर्भावस्था का पंजीकरण किया गया है और महिलाएं नियमित रूप से प्रसव-पूर्व क्लिनिक जाती हैं, जिसमें वी.एच.एन.डी. तक उन्हें साथ ले जाना भी शामिल है।

एनीमिया की देखभाल करना।

उच्च जोखिम के लिए जाँच।

गर्भावस्था के दौरान खतरे के लक्षणों के प्रति महिला एवं उसके परिवार को सतर्क करना और उन्हें उचित रूप से रेफर करना।

जन्म की तैयारी की योजना बनाना और इसके बारे में ए.एन.एम. तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी को वी.एच.एन.डी. अथवा मासिक बैठक में जानकारी देना।

उन महिलाओं का विशेष रूप से ध्यान रखना, जिनको अतिरिक्त जोखिम होता है और उन्हें जननी सुरक्षा योजना तथा संस्था में ले जाए जाने वाले रिकॉर्ड (बी.पी.एल. कार्ड) के बारे में सलाह देना।

माँ को हॉस्पिटल तक साथ ले जाना और प्रसव-पीड़ा के दौरान उसके साथ ठहरना। यह सुनिश्चित करना कि पेट पर कोई दबाव नहीं डाला जाता है और पीड़ा को तेज करने के लिए कोई इंजेक्शन नहीं दिया जाता है।

जन्म वाले कमरे की सफाई सुनिश्चित करना।

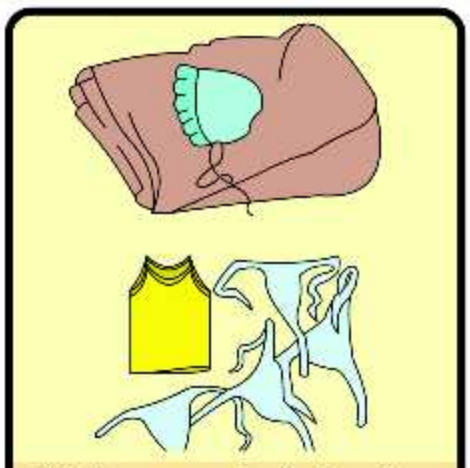

माँ के लिए साफ कपड़े और शिशु के कुछ कपड़े तैयार रखना।

जन्म के विवरण दर्ज करना।

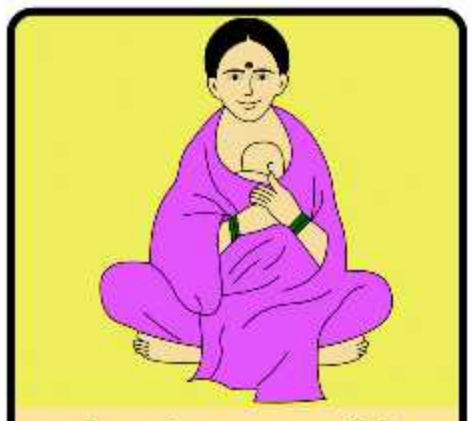

प्रसव के बाद माँ का ध्यान रखना, विशेष रूप से स्तनपान शुरू करने और त्वचा-से-त्वचा संपर्क के मामले में।

माँ को प्रसव के बाद कम से कम ४८ घंटों तक हॉस्पिटल में ठहरने के लिए मनाना और इसमें सहायता करना।